अनुलंग्नक - 3 (13)

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल के पास, कोटा

विद्या–परिषद् की 13वीं बैठक दिनांक–06.01.2017
कार्यवृत (Minutes)

विद्या–परिषद् की 13वीं बैठक दिनांक 06.01.2017 को पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती भवन में स्थित सभा–कक्ष में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें निम्नांकित उपस्थित हुए :–

प्रो0 पी.के. दशोरा — अध्यक्ष
माननीय कुलपति,
कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

2. **डॉ0 बाबूलाल शर्मा** — सदस्य
राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
प्राचार्य, राजकीय कला महाविद्यालय,
कोटा

3. **डॉ0 ग्यारसी लाल जाट** — सदस्य
राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
व्याख्याता, राजकीय वाणिज्य पी.जी.
म्हाविद्यालय, सीकर

4. **डॉ0 विजय कुमार पंचोली** — सदस्य
राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
व्याख्याता, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय,
कोटा

5. **प्रो0 एन.के. जैमन** — सदस्य
अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय
समन्वयक, पाठ्यकम समिति, भौतिकी

6. **प्रो0 राजीव जैन** — सदस्य
अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबन्धन संकाय

7. **डॉ0 कृष्णकान्त शर्मा** — सदस्य
अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय
प्राचार्य, भगवती टी.टी. महाविद्यालय,
सवाईमाधोपुर

संदेय

8. **डॉ0 राजकुमार उपाध्याय** — सदस्य
अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय
प्राचार्य, राजकीय विधि महाविद्यालय,
कोटा

9. **प्रो0 रीना दाधीच** — सदस्य
विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित आचार्य

10. **डॉ. भवानी सिंह** — सदस्य
सह–आचार्य, रसायन शास्त्र विभाग
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित सह–आचार्य

11. **प्रो0 आशुरानी** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, रसायन शास्त्र

12. **डॉ0 मन्जू गुप्ता** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, समाज शास्त्र

13. **डॉ0 प्रतिमा शर्मा** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, अंग्रेजी

14. **डॉ0 नादिरा खातून** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, उर्दू

15. **डॉ0 लीला मोदी** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, हिन्दी

16. **डॉ0 हासो दादलानी** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, सिन्धी

17. **डॉ0 हेमलता कुमावत** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, ड्राईंग और पन्टिंग

18. **डॉ0 पी.सी. उपाध्याय** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, संस्कृत

19. **डॉ0 प्रेरणा शर्मा** — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, भारतीय संगीत

संदीप

20. डॉ0 अंजली शर्मा — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, दर्शन शास्त्र

21. डॉ0 एम.जेड.ए. खान — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, भूगोल

22. डॉ0 मोहन लाल साहू — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, इतिहास

23. डॉ0 रीना खनूजा — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, गृह विज्ञान

24. डॉ0 जागे राम — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, लोक प्रशासन

25. डॉ. राजेश कुमार शर्मा — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, गणित

26. डॉ0 प्रहलाद दुबे — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, प्राणी शास्त्र

27. डॉ0 एस.के. श्रृंगी — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, वनस्पति शास्त्र

28. डॉ0 एस.एन. गर्ग — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, इ.ए.एफ.एम.

29. डॉ0 ए.के. जैन — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, व्यवसायिक प्रशासन

30. डॉ0 मनमोहन शर्मा — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, ए.बी.एस.टी.

31. डॉ0 सुषमा सिंह — सदस्य
संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, शिक्षा

32. डॉ0 एम. एल. गुप्ता — विशेष आमंत्रित सदस्य
प्रशासनिक सचिव

33. **श्री प्रवीण भार्गव** — विशेष आमंत्रित सदस्य
परीक्षा नियंत्रक

34. **डॉ0 संदीप सिंह चौहान** — सदस्य सचिव
कुलसचिव

प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान, जयपुर; आयुक्त, महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान, जयपुर; डॉ. राजेन्द्र शर्मा, सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर; डॉ. अरूण कुमार शर्मा, संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, विधि; डॉ. प्रमिला श्रीवास्तव, संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, अर्थशास्त्र; डॉ. रेणू शर्मा, संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, राजनीति विज्ञान बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक का प्रारम्भ माँ सरस्वती की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। बैठक प्रारम्भ में माननीय कुलपति महोदय द्वारा उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन किया गया तथा विश्वविद्यालय में विगत दिनों हुई विभिन्न उपलब्धियों/गतिविधियों के सम्बंध में सदन को अवगत करवाया गया, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

- विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह बहुत ही गरिमामय रूप से माननीय कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ है जिसकी समाज के विभिन्न वर्गो द्वारा भूरी–भूरी प्रशंषा की गयी। राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा इस विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनायी गयी गतिविधियों को उदाहरण स्वरूप स्वीकार किया गया है। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह वाले दिवस पर मुख्यालय पर स्थित राजकीय महाविद्यालयों में भी उपाधि वितरण किये जाने सम्बंधी कार्य शिक्षा जगत में एक नवाचार है। इस कार्य के लिये संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यो द्वारा दिये गये सहयोग के लिए प्रबन्ध मण्डल द्वारा उन्हे साधूवाद दिया गया। इसी के साथ साथ विद्या–परिषद् द्वारा दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले विश्वविद्यालय शिक्षकों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ–साथ अन्य सेवायें प्रदान करने वाले पक्षों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया।
- दिनांक 13.03.2016 के ही विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति का अनावरण भी माननीय कुलाधिपति महोदय श्री कल्याण सिंह जी के करकमलों से संपन्न हुआ जो कि विश्वविद्यालय के लिये गौरव का विषय है।
- विश्वविद्यालय में Indian Society of Agriculture Statistics के तत्वाधान में एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गयी जिसमें विभिन्न सत्रों में कृषि क्षेत्र में सांख्यिकीय के उपयोग के सम्बंध में विचार–विमर्श किये गये।
- शैक्षणिक एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में और अधिक निपुणता हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–मानव संसाधन विकास केन्द्र (एकेडमिक स्टाफ कॉलेज), जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कोटा विश्वविद्यालय, कोटा के बीच किये गये एम.ओ.यू. के तहत पहली बार ओरियन्टेशन प्रोग्राम एवं रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया जो कि अकादमिक क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय की प्रगति के सूचक हैं।

- राज्य सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय को म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर में संचालित स्किल डवलपमेंट सेन्टर की तर्ज पर कौशल विकास को प्रोत्साहित किये जाने के दृष्टिकोण से Centre for Entrepreneurship and Small Business Management की स्थापना की गई है। उक्त केन्द्र इस क्षेत्र के विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए काफी सहायक सिद्ध होगा।

- विश्वविद्यालय को 02 वर्षीय बी.एड पाठ्यक्रम एवं 04 वर्षीय बी.ए., बी.एड./बी.एससी. बी. एड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पी.टी.ई.टी. प्रवेश परीक्षा व काउंसलिंग कराने का अवसर कोटा विश्वविद्यालय को दिया गया तथा विश्वविद्यालय द्वारा उक्त दोनों कार्य समय पर कार्य पूर्ण कर लिये गये है।

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के उपलक्ष्य में माननीय मुख्यमंत्री महोदया द्वारा कोटा विश्वविद्यालय में अम्बेडकर पीठ स्थापित किये जाने की घोषणा की गई जिसका हम सभी माननीय मुख्यमंत्री महोदय का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा करवायी गई देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की श्रेणियन में इस विश्वविद्यालय को मंत्रालय द्वारा स्थापित मापदण्डों की पूर्ति किये जाने के कारण NIRF द्वारा 78वीं रेंक प्राप्त हुई जो अपने आप में विश्वविद्यालय के लिए एक गौरव का विषय है। विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय को रीको अवार्ड प्रदान किया गया।

- राज्य सरकार के आदेश के क्रम में विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रकिया तथा परीक्षा आवेदन प्रकिया को ऑनलाईन किया जा चुका है।

- विश्वविद्यालय में 100 किलो वॉट की बिजली उत्पादन की क्षमता वाला Solar Power Plant स्थापित कर वर्ष 2016 में इसका उद्घाटन करवाया गया।

- भौतिकी विभाग तथा Royal Society of Engineering, UK and FICCI, India के संयुक्त तत्वाधान मे विश्वविद्यालय में "Fundamentals of Solar Thermal Technologies'' पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वर्कशॉप आयोजित की गई।

- एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत देश को एकता के रूप में बाँधने का प्रयास करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 4 कि.मी. की दौड़ Run for Nation तथा भारत मेरा घर पर एक विचार संगोष्ठी आयोजित की गयी।

- इस सत्र में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की मोनिका मालव ने अखिल भारतीय अन्तर–विश्वविद्यालय जूडो (महिला खेल–कूद) में 48 कि0ग्रा0 भार श्रेणी में रजत पदक प्राप्त किया।

- इस सत्र में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 33 खेलों को आयोजित करवाए गए। Inter College Kabaddi, Handball तथा Volleyball में विश्वविद्यालय की टीम विजयी रही। Inter College Atheletics में विश्वविद्यालय को 5 Medals की उपलब्धि हुई।

- विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के तत्वावधान में Awareness on Cyber Crime पर वर्कशॉप आयोजित की गयी।

- विश्वविद्यालय में संचालित M.P.Ed. पाठ्यक्रम को NCTE की मान्यता प्राप्त हुई।

- विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द शोधपीठ की स्थापना की गई।
- विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु लगभग 12 लाख रूपये की पुस्तकों का क्रय किया गया तथा आज विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेले का उद्घाटन किया गया, जिसमें माननीय सदस्यों को भी मेले का भ्रमण व लाभ लेने के लिए आमंत्रित किया गया।
- विश्वविद्यालय में पानी की समस्या की निवारण हेतु 1 इंच मोटी पानी की पाईप लाईन डलवाई गई।
- विश्वविद्यालय में विभिन्न भवनों के निर्माण हेतु लगभग 40 करोड़ रूपये के M.O.U. किये गये।
- विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक व सेमेस्टर स्किम की सभी परीक्षाऐं समय पर करवायी गई तथा उनके परीक्षा परिणाम भी समय पर घोषित किये गये।
- विश्वविद्यालय द्वारा NAAC ग्रेडिंग के लिए SSR रिपोर्ट ऑनलाईन प्रेषित की गई जिस पर विश्वविद्यालय को LOI प्राप्त हो चुका है।

उपरोक्त उल्लेखित समस्त उपलब्धियाँ माननीय विद्या–परिषद् के मार्गदर्शन, सम्बल एवं विश्वास के फलस्वरूप प्राप्त हो सकी हैं इसके लिए माननीय कुलपति महोदय द्वारा सदन का आभार व्यक्त किया गया। माननीय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने उक्त उल्लेखित उपलब्धियाँ अर्जित की गई है, सदन द्वारा माननीय कुलपति महोदय को बधाई दी गई तथा उनके प्रयासों की सराहना की गयी।

इसके पश्चात् प्रबन्ध मण्डल की बैठक में विचारणीय बिन्दुओं पर विस्तृत बिन्दुवार चर्चा विधिवत रूप से प्रारम्भ हुई।

मद संख्या– 1 : **विद्या–परिषद् की 12वीं बैठक दिनांक 01.03.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन करना।**

निर्णय : विद्या–परिषद् की 12वीं बैठक दिनांक 01.03.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या– 2 : **विद्या–परिषद् की बैठक दिनांक 01.03.2016 में लिये गये निर्णयों के सम्बंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन अनुमोदित करना।**

निर्णय : विद्या–परिषद् की 12वीं बैठक दिनांक 01.03.2016 की क्रियान्विति रिपोर्ट का अवलोकन कर पारित किया गया।

मद संख्या– 3 : **माननीय कुलपति महोदय के निम्न आदेशों को रिपोर्ट करना ।**

1. वर्ष 2016 में लिये गये विभिन्न BOS / COC के पुनर्गठन सम्बंधी आदेश।
2. विभिन्न पाठ्यक्रमों/विषयों की पाठ्यक्रम समितियों द्वारा सत्र 2016–17 के लिए पाठ्यक्रम निर्माण अथवा संशोधन करने हेतु

आयोजित बैठकों के कार्यवृत्तों का माननीय कुलपति महोदय द्वारा अनुमोदन सम्बंधी आदेश।

3. विधि संकाय में अधिष्ठाता की नियुक्ति सम्बंधी आदेश का अनुमोदन।
4. परीक्षा वर्ष 2015 की उपाधियों पर "ग्रेस पास" की तिथि के अंकन के निर्धारण हेतु गठित समिति सम्बंधी आदेश व उक्त बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन।
5. चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम यथा बी.ए.–बी.एड/बी.एस.सी. –बी.एड व तीन वर्षीय समेकित पाठ्यकम यथा बी.एड.–एम.एड. की सम्बद्धता तथा निरीक्षण शुल्क सम्बंधी आदेश का अनुमोदन।
6. सत्र 2016–2017 से विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय में स्नातकोत्तर स्तर पर कुछ नये स्ववित्तपोषी पाठ्यकम यथा वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र तथा गणित प्रारम्भ किये गये है, जो अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय : माननीय कुलपति महोदय द्वारा लिये गये समस्त आदेशों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

मद संख्या– 4 : **शोध मण्डल की बैठक दिनांक 03.08.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन करना।**

निर्णय : दिनांक 03.08.2016 को सम्पन्न हुई शोध मण्डल की बैठक के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या– 5 : **परीक्षा वर्ष 2015 की समस्त उपाधियों का "ग्रेस पास" किये जाने सम्बंधी प्रस्ताव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।**

निर्णय : परीक्षा वर्ष 2015 की समस्त उपाधियों कुल 55,740 का "ग्रेस पास" किया गया।

मद संख्या– 6 : **विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली एम.एससी. (फिजिक्स–एनर्जी) उपाधि का नाम एम.एससी. (भौतिकी) तथा समेकित बी.एससी. –एम.एससी. (भौतिकी) की उपाधि तीन वर्ष पूर्ण करने पर बी. एससी. (ऑनर्स) तथा पाँच वर्ष पूर्ण करने पर एम.एससी. (भौतिकी) करने हेतु प्रस्ताव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।**

निर्णय : विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली एम.एससी. (फिजिक्स–एनर्जी) उपाधि का नाम एम.एससी. (फिजिक्स) तथा समेकित बी.एससी.–एम. एससी. (भौतिकी) की उपाधि तीन वर्ष पूर्ण करने पर बी.एससी. (ऑनर्स) तथा पाँच वर्ष पूर्ण करने पर एम.एससी. (भौतिकी) करने हेतु प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। साथ ही जो विद्यार्थी उक्त पाठ्यक्रमों को पूर्व में उत्तीर्ण कर चुके है, उन्हे इन पाठ्यकमों के नामकरण में किये गये संशोधन का एक सर्टिफिकेट उपलब्ध कराये जाने की भी अनुशंषा की गई।

मद संख्या– 7 : **कोटा विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ हेरिटेज, ट्यूरिज्म, म्यूजियोलोजी एवं आर्कियोलोजी विभाग के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 से राजस्थान की संस्कृति एवं इतिहास में डिप्लोमा व ट्यूरिस्ट गाईड प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम तथा वंशावली लेखन एवं परम्परा अध्ययन शोध–पीठ प्रारम्भ किये जाने के प्रस्ताव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत हैं।**

निर्णय : राजस्थान की संस्कृति एवं इतिहास में डिप्लोमा व ट्यूरिस्ट गाईड प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम तथा वंशावली लेखन एवं परम्परा अध्ययन शोध–पीठ प्रारम्भ किये जाने के प्रस्तावों का निम्नांकित सुझावों के साथ अनुमोदन किया गया : –

1. राजस्थान की संस्कृति एवं इतिहास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भूगोल भी शामिल किया जाये।
2. राजस्थान की संस्कृति एवं इतिहास डिप्लोमा पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के RHC-07 के चतुर्थ इकाई में लोक–देवताओं को भी सम्मिलित किया जाये।
3. ट्यूरिस्ट गाईड प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में न्यूनतम प्रवेश योग्यता– 12वीं कला उत्तीर्ण के स्थान पर 12वीं कक्षा उत्तीर्ण माना जाये।

मद संख्या– 8 : **विश्वविद्यालय में वर्ष 2017–18 के लिए नवीन शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों के सृजन तथा विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर का बहुसंकाय महाविद्यालय व विधि महाविद्यालय खोले जाने के प्रस्ताव अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।**

निर्णय : विश्वविद्यालय में वर्ष 2017–18 के लिए नवीन शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों के सृजन के अन्तर्गत कुल 234 पदों के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र 2017–18 से बहुसंकाय स्नातक स्तरीय महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय खोले जाने के प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। सत्र 2017–18 से प्रारम्भ बहुसंकाय स्नातक स्तरीय महाविद्यालय में प्रारम्भिक अवस्था में विज्ञान संकाय के लिए विज्ञान महाविद्यालय प्रारम्भ किये जाने के प्रस्तावों को भी पारित किया गया।

मद संख्या– 9 : **विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति एवं पदोन्नति के लिए संपन्न करवाये जाने वाले साक्षात्कार अथवा संवीक्षा की प्रक्रिया के लिए आमंत्रित किये जाने वाले बाह्य विशेषज्ञों का पेनल शोर्ट लिस्ट किये जाने हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग के माननीय अध्यक्ष/माननीय सदस्य की अध्यक्षता वाली समिति को प्रेषित किये जाने वाले विषय विशेषज्ञों की सूची अनुमोदनार्थ।**

निर्णय : विषय विशेषज्ञों की सूची का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या– 10 : **राज्य सरकार के निर्देशानुसार बी.एड. (विशेष शिक्षा) व डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) को प्रारम्भ किए जाने व निर्धारित सम्बद्धता शुल्क के अनुमोदनार्थ।**

निर्णय : विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी.एड. पाठ्यक्रम (सामान्य) की निर्धारित सम्बद्धता व निरीक्षण शुल्क के समान ही बी.एड. (विशेष शिक्षा) व डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) पाठ्यक्रम की सम्बद्धता व निरीक्षण शुल्क सत्र 2017–18 के लिए निर्धारित किये जाने की अनुशंषा की गई। सत्र 2018–19 से आगामी वर्षों के लिए सम्बद्धता व निरीक्षण शुल्क निर्धारित करने के लिए एक समिति गठित किये जाने के लिए माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया। भारतीय पुनर्वास परिषद् (R.C.I.), नई दिल्ली द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को तथा बी.एड. सामान्य पाठ्यकम के समान विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली लागू किये जाने की अनुशंषा की गई।

मद संख्या– 11 : **माह जनवरी, 2017 को सम्पन्न होने जा रहे विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की तैयारियों के सम्बंध में विद्या–परिषद् को अवगत करवाना।**

निर्णय : विश्वविद्यालय के प्रस्तावित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की तैयारियों से माननीय सदन को अवगत कराया गया। राजभवन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह मनाये जाने की एक निश्चित तारीख दिनांक 23 जनवरी प्रबन्ध–मण्डल की गत बैठक में निश्चित कर दी गई थी। तद्नुसार दिनांक 23 जनवरी 2017 को विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह माननीय कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में मनाये जाने की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए पत्र राजभवन प्रेषित किया जा चुका है परन्तु उक्त स्वीकृति अभी प्राप्त नहीं हो सकी है। विश्वविद्यालय द्वारा उक्त प्रस्तावित समारोह की तैयारियों के सम्बंध में समितियों का गठन, परीक्षा वर्ष 2015 तक की उपाधियों एवं मेडल्स का निर्माण करवाकर उनकी जांच सम्बंधी कार्य जारी है। तद्नुसार दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2015 तक की परीक्षाओं पीएच.डी. सहित कुल 55,740 उपाधियाँ तैयार करवाई गई है।

इसी सम्बंध में माननीय सदन को यह अवगत करवाया जाना समीचीन होगा की दीक्षान्त समारोह हेतु ड्रेस कोड राजभवन द्वारा निर्धारित कर सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को प्रेषित किया जा चुका है। राजभवन द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड पृष्ठ सं0 156–158 में संलग्न है। उक्त ड्रेस कोड में प्रत्येक श्रेणी के लिए स्टॉल्स निर्धारित किया गया है जिसका रंग विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किये जाने की अनुशंषा की गई है। स्टॉल्स के रंग निर्धारण हेतु विस्तार से चर्चा की गई तथा पीले से नारंगी के बीच के रंग को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। डिग्री/मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुल्क लेकर स्टॉल्स देने की भी अनुशंषा की गयी।

मद संख्या– 12 : **अन्य बिन्दु, आसन की अनुमति से।**

निर्णय : सदन की अनुमति से निम्नांकित विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिये गये है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

(i) विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक विभागों में कला संकाय में कोई भी आचार्य, सह–आचार्य नहीं होने तथा विश्वविद्यालय अधिकार क्षेत्र में स्थित सम्बद्धता प्राप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालयों

में कला संकाय का प्राचार्य पदस्थापित न होने के कारण अधिष्ठाता, कला संकाय का पद रिक्त है। अतः दीक्षान्त समारोह में कला संकाय की डिग्री व मेडल प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों के नामों की घोषणा करने हेतु अधिष्ठाता, सामाजिक–विज्ञान को अधिकृत किया गया।

(ii) विश्वविद्यालय का कुलगीत बनवाने की प्रक्रिया से माननीय सदस्यों को अवगत कराया गया। सदन ने कुलगीत बनवाने से लेकर संगीत के साथ लयबद्ध करवाने की संपूर्ण कार्यवाही हेतु माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया।

(iii) नेट–जे.आर.एफ. उत्तीर्ण छात्रों को शोध करने में प्राथमिकता देने हेतु मापदण्ड निर्धारित करने के लिए एक समिति का गठन करने हेतु माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया।

(iv) डॉ. एस.एन. गर्ग, माननीय सदस्य, विद्या परिषद् ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में स्वयंपाठी छात्रों के रूप में प्रविष्ट होने वाले छात्रों से निवास के सम्बंध में माँगे जाने वाले प्रमाण–पत्र की अवधि के सम्बंध में पुर्नविचार/समीक्षा किये जाने के प्रकरण को सदन के समक्ष रखा, जिस पर माननीय सदस्यों द्वारा एक समिति के गठन किये जाने की अनुशंषा की गई, जिसके लिए माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया।

(v) एम.एससी. जीव विज्ञान के समन्वयक डॉ0 प्रहलाद दुबे ने सदन को अवगत कराया कि एम.एससी. जीव विज्ञान की समकक्षता एम.एससी. प्राणी शास्त्र/एम.एससी. वनस्पति शास्त्र उच्च स्तर से प्राप्त न होने पर सत्र 2015–16 में एम.एससी. जीव विज्ञान में प्रविष्ट विद्यार्थियों द्वारा प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण करने के पश्चात् एम.एससी. प्राणी शास्त्र पाठ्यक्रम के तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश लिया गया, जिन्हे संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार अध्ययन करवाया जा रहा है। उक्त विद्यार्थियों को एम. एससी. प्राणी शास्त्र की उपाधि दिये जाने की अनुमति प्रदान की गई।

(vi) डॉ. राजेश कुमार शर्मा, माननीय सदस्य, विद्या–परिषद् ने विश्वविद्यालय व सम्बद्ध महाविद्यालयों में योग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र को प्रारम्भ किये जाने का प्रस्ताव रखा, जिसको सर्वसम्मति से पारित किया गया।

अन्त में कुलपति महोदय ने सभी माननीय सदस्यों का बैठक में सक्रियता से भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया।

बैठक आसन को धन्यवाद के साथ पूर्ण हुई।

(डॉ. संदीप सिंह चौहान)
कुलसचिव
एवं सदस्य सचिव